तेरह मुखी रुद्राक्ष – भगवान शिव और कामदेव की कृपा का प्रतीक

ॐ नमः शिवाय

"त्रयोदशमुखं रुद्रं सर्व सिद्धि दायकं।
कामदेव प्रियं देवं सर्व कष्ट निवारणम्। "

तेरह मुखी रुद्राक्ष क्या है?

13 मुखी रुद्राक्ष को **कामदेव रुद्राक्ष** भी कहा जाता है। यह अत्यंत दुर्लभ और शक्तिशाली रुद्राक्ष है, जो भगवान शिव और कामदेव की कृपा का प्रतीक है। इसे धारण करने से व्यक्ति के जीवन में समृद्धि, आकर्षण, और प्रेम की वृद्धि होती है। यह रुद्राक्ष इच्छाशक्ति, आत्मबल, और रचनात्मकता को प्रबल करता है।

तेरह मुखी रुद्राक्ष (13 Mukhi Rudraksha) व्यापक रूप से सभी इच्छाओं को पूरा करने के लिए जाना जाता है। इस रुद्राक्ष को भगवान कामदेव का आशीर्वाद प्राप्त है, जो पहनने वाले को दैवीय करिश्मा और अपार शक्ति प्रदान करता है। इसे भगवान इंद्र और महालक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त है जो व्यक्ति को अभिव्यक्त करता है। यह शुक्र और चंद्रमा दोनों द्वारा शासित है और इस मनके की सतह पर 13 प्राकृतिक रेखाएं होती हैं। यह उन व्यवसायों के लोगों के लिए अच्छा है जहाँ उन्हें लोगों को आकर्षित करने और उनसे लाभ लेने की आवश्यकता होती है। यह पहनने वाले को सांसारिक सुख देने में मदद करता है। यह व्यक्ति के विचारों, भावनाओं और अवचेतन को साफ करने की दिशा में काम करता है। आध्यात्मिक पूर्ति चाहने वालों के लिए, यह सबसे अच्छा तरीका है, क्योंकि यह आपकी आत्मा को विश्व को संचालित करने वाली सार्वभौमिक ऊर्जा से जोड़ता है।
यह पहनने वाले की इच्छा को पूरा करने में मदद करता है और व्यक्ति को उसके सपनों को जीने के लिए भ्रम को वास्तविकता में परिवर्तित करता है। यह व्यक्ति में चुंबकत्व और उनके प्रति लोगों को आकर्षित करने के लिए आकर्षण को बढ़ाता है। यह व्यक्ति को जीवन में सही रास्ता चुनने और जो वे चाहते हैं उसे प्राप्त करने में मदद करता है। 13 मुखी रुद्राक्ष उन लोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है जिन्होंने कड़ी मेहनत और समर्पण के बावजूद भी जीवन में अच्छे पलों के अभाव को महसूस किया और सुख, विलासिता और समृद्धि के हकदार हैं। इसके लाभ 6 मुखी रुद्राक्ष के समान हैं।

रत्न की तरह, रुद्राक्ष भी ग्रहों द्वारा शासित होता है, जो उन्हें ग्रहों के दुष्प्रभाव का इलाज करने के लिए रत्न के समान भूमिका निभाते हैं। जन्म कुंडली में ग्रहों की स्थिति के बारे में एक विशेषज्ञ ज्योतिषी से परामर्श करना आपके लिए उचित रहेगा कि कौन सा रुद्राक्ष आपके लिए सबसे अच्छा है और अधिक प्रभावी होगा।

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, हमारा वर्तमान जीवन हमारे पिछले जन्म के कर्मों से जुड़ा हुआ है और ग्रहों की चाल से भी प्रभावित है। यह कहा जाता है कि कुछ लोग अपने पिछले जन्म के कर्मों का भुगतान वर्तमान में करते हैं। जिसके कारण उन्हें वर्तमान जीवन को बेहतर बनाने के लिए बहुत कठिनाई और समस्याओं का सामना करना पड़ता है। 12 मुखी रुद्राक्ष पहनने से आपको पिछले जन्म के पापों से छुटकारा मिल सकता है। ज्योतिष के अनुसार, ग्रह अपनी चाल बदलते रहते हैं, वह एक राशि से दूसरे राशि में गोचर करते रहते हैं। इस पारगमन के दौरान, वे 12 राशियों को प्रभावित करते हैं। किसी पर इसका अच्छा असर पड़ता है तो किसी पर इसका बुरा असर पड़ता है। एक आम इंसान ग्रहों की स्थिति और जीवन पर उनके प्रभाव का पता नहीं लगा सकता है इसके लिए आपको एक अनुभवी ज्योतिषी को अपनी जन्मकुंडली का अध्ययन करना होगा और फिर वह भविष्यवाणी करेंगे और आपको सही रुद्राक्ष पहनने का सुझाव देंगे जो आपको सभी तरीकों से लाभान्वित करेगा।

तेरह मुखी रुद्राक्ष की उत्पत्ति कैसे हुई?

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यह रुद्राक्ष भगवान शिव के आशीर्वाद से उत्पन्न हुआ। इसे विशेष रूप से भगवान शिव और कामदेव का स्वरूप माना जाता है। यह उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी है जो जीवन में प्रेम, आकर्षण, और प्रभावशाली व्यक्तित्व चाहते हैं।

भौतिक परिपेक्ष्य में देखा जाये तो रुद्राक्ष एलियोकार्पस गनीट्रस वृक्ष के बीज हैं, जो मुख्य रूप से हिमालय, इंडोनेशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों सहित आध्यात्मिक विरासत वाले क्षेत्रों में उगाए जाते हैं। संस्कृत में, 'रुद्राक्ष' का अर्थ है 'रुद्र के आँसू' - भगवान शिव का एक नाम। प्राचीन ग्रंथों में इन मोतियों को शक्तिशाली आध्यात्मिक उपकरण के रूप में वर्णित किया गया है जो ध्यान, मानसिक स्पष्टता और कल्याण में सहायता करते हैं। रुद्राक्ष का पेड़ उच्च ऊंचाई वाले, उष्णकटिबंधीय जंगलों में पाया जाता है। मुख्य रूप से नेपाल, भारत और इंडोनेशिया में पाया जाने वाला यह रुद्राक्ष उच्च आर्द्रता और मध्यम तापमान जैसी विशिष्ट पर्यावरणीय परिस्थितियों की आवश्यकता रखता है। इसके पेड़ पर सफेद फूल खिलते हैं, जो बाद में फलों में बदल जाते हैं। जब फल सूख जाता है, तो बीज, जिसे रुद्राक्ष के रूप में जाना जाता है, प्राप्त होता है।

कौन लोग तेरह मुखी रुद्राक्ष धारण कर सकते हैं?

- **ग्रह स्वामित्व:**
  - यह शुक्र और चंद्र ग्रह से संबंधित है। शुक्र प्रेम, सौंदर्य, और भौतिक सुख का कारक है, जबकि चंद्र मन और भावनाओं को नियंत्रित करता है।
- **धारण करने वाले:**
  - व्यवसायी, कलाकार, लेखक, राजनेता, और वे सभी व्यक्ति जो समाज में प्रभावशाली बनना चाहते हैं।
  - प्रेम, संबंधों, और आकर्षण में बाधा महसूस करने वाले लोग इसे धारण कर सकते हैं।

किस राशि पर तेरह मुखी रुद्राक्ष का व्यापक प्रभाव होता है?

यह सभी राशियों के लिए शुभ है, लेकिन तुला, वृषभ, और कर्क राशि वालों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है।

तेरह मुखी रुद्राक्ष से लाभ

तेरह मुखी रुद्राक्ष के धारण से निम्नलिखित लाभ प्राप्त होते हैं:

- इसे धारण करने से व्यक्ति में आकर्षण और करिश्माई व्यक्तित्व विकसित होता है।
- प्रेम संबंधों को मजबूत और संतुलित करता है।
- धन, ऐश्वर्य, और भौतिक सुखों में वृद्धि करता है।
- मन को शांत और स्थिर बनाता है।
- यह रुद्राक्ष ध्यान और साधना में सफलता दिलाता है।
- यह महिलाओं के प्रजनन अंगों को सक्रिय करने और इससे जुड़ी सभी समस्याओं को ठीक करने में मदद करता है
- यह पहनने वाले को जीवन का आनंद लेने में मदद करता है
- यह निसंतान दंपत्तियों को संतानप्राप्ति की आशीर्वाद देता है।

- यह मानसिक विकारों को ठीक करने में मदद करता है
- यह मंगल और शुक्र ग्रह के प्रभाव को दूर करने में मदद करता है
- यह कुंडलिनी को जगाने में मदद करता है
- यह पुराने पीठ दर्द से उबरने में मदद करता है
- यह पहनने वाले को आराम और आध्यात्मिक उन्नयन प्रदान करने में मदद करता है
- यह सफलता और खुशी का आश्वासन देता है
- यह पहनने वाले पर एक नज़र रखता है और उन्हें पाप कर्मों और विचारों से दूर रहने में मदद करता है
- यह चुनौतियों का सामना करने और विजयी होने में मदद करता है
- यह धारक की मानसिकता को बढ़ावा देने और खुले दिमाग से सोचने में मदद करता है

किसे धारण नहीं करना चाहिए?

- अत्यधिक क्रोधी और अधीर स्वभाव के लोग इसे न पहनें।
- यदि व्यक्ति शुक्र या चंद्र से अधिक प्रभावित हो और उनके दोष उभरने की संभावना हो तो विशेषज्ञ से परामर्श लें।
- गर्भवती महिलाओं और बच्चों को इसे धारण करने से बचना चाहिए।

तेरह मुखी रुद्राक्ष धारण करने की विधि

धारण का शुभ दिन और समय:

- शुक्रवार को, सूर्योदय के समय इसे धारण करना शुभ माना जाता है।

शुद्धिकरण प्रक्रिया:

- रुद्राक्ष को गंगाजल और गाय के दूध से शुद्ध करें।

मंत्र जाप:

- इसे धारण करते समय निम्न मंत्र का जाप करें:
  "ॐ ह्रीं क्लीं नमः।"
  या
  "ॐ श्रीं नमः।" मंत्र का 108 बार जाप करना अनिवार्य है।

विधान:

- इसे सोने, चांदी, या रेशमी धागे में पिरोकर गले या दाहिने हाथ में पहनें।

क्या यह किसी प्रकार का नुकसान कर सकता है?

- यदि इसे गलत विधि से या बिना शुद्धि के धारण किया जाए, तो यह प्रभावी नहीं होता।
- बिना उचित मंत्र जाप और पूजा के इसे धारण करने से ऊर्जा संतुलन बिगड़ सकता है।

तेरह मुखी रुद्राक्ष के गुण और रंग

13 मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ और शक्तिशाली है। इसे "कामदेव रुद्राक्ष" भी कहा जाता है।

- **गुण:**
  - यह आत्मविश्वास, करिश्मा, और आकर्षण प्रदान करता है।
  - इच्छाशक्ति, रचनात्मकता, और प्रेम भाव को प्रबल करता है।
  - व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।
- **रंग:**
  - यह सामान्यतः हल्के भूरे से गहरे भूरे रंग का होता है।
  - इसका बनावट प्राकृतिक खांचे और स्पष्ट रेखाओं से युक्त होता है।

धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

- **धार्मिक महत्व:**
  - इसे भगवान शिव और कामदेव का स्वरूप माना जाता है।
  - यह भक्ति, प्रेम, और संतुलन का प्रतीक है।
  - इसे धारण करने से व्यक्ति को भगवान शिव, कामदेव, और देवी लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।
- **आध्यात्मिक महत्व:**
  - यह रुद्राक्ष ध्यान, साधना, और आत्मा की शुद्धि में सहायक है।
  - आत्मज्ञान और आंतरिक शक्ति को जागृत करता है।
  - व्यक्ति को आध्यात्मिक मार्ग पर प्रगति करने में मदद करता है।

ज्योतिषीय लाभ

तेरह मुखी रुद्राक्ष का प्रमुख ज्योतिषीय लाभ निम्नलिखित हैं:

- **ग्रह दोषों का निवारण:**
  - यह शुक्र और चंद्र ग्रह से संबंधित है।
  - शुक्र ग्रह की अशुभता को दूर करता है, जिससे भौतिक सुख और सौंदर्य में वृद्धि होती है।
  - चंद्रमा से संबंधित मानसिक और भावनात्मक समस्याओं को संतुलित करता है।
- **व्यक्तित्व विकास:**
  - व्यक्ति को आत्मविश्वासी और आकर्षक बनाता है।
  - प्रभावशाली व्यक्तित्व और करिश्माई उपस्थिति प्रदान करता है।
- **संबंध सुधार:**
  - प्रेम, दांपत्य जीवन, और संबंधों को मजबूत करता है।
  - वैवाहिक जीवन की समस्याओं को हल करता है।
- **आर्थिक समृद्धि:**
  - व्यापार और करियर में सफलता दिलाता है।
  - धन और ऐश्वर्य की प्राप्ति कराता है।

वास्तु शास्त्र में महत्व

- इसे घर में रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।

- घर के सदस्यों के बीच प्रेम और सामंजस्य को बढ़ाता है।
- इसे पूजा स्थल में रखने से शुभ फल प्राप्त होते हैं।

स्वास्थ्य और कल्याण लाभ

तेरह मुखी रुद्राक्ष के धारण से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ होते हैं। यह शरीर और मन दोनों के लिए फायदेमंद है।

- **मानसिक स्वास्थ्य:**
  - तनाव, अवसाद, और चिंता को दूर करता है।
  - मानसिक शांति और स्थिरता प्रदान करता है।
- **शारीरिक स्वास्थ्य:**
  - हृदय, त्वचा, और प्रजनन तंत्र से संबंधित समस्याओं में लाभकारी।
  - थकान और ऊर्जा की कमी को दूर करता है।
- **आंतरिक शक्ति:**
  - व्यक्ति के भीतर ऊर्जा और आत्मबल को जागृत करता है।

ध्यान देने योग्य बातें

- इसे धारण करने के बाद नशा और मांसाहार का त्याग करें।
- इसे हमेशा शुद्ध स्थान पर रखें।
- इसे पहनने के दौरान अपवित्र स्थानों पर जाने से बचें।

13 मुखी रुद्राक्ष एक अत्यंत प्रभावशाली और दिव्य रुद्राक्ष है। यह आत्मविश्वास, प्रेम, और भौतिक सुखों का कारक है। इसे धारण करने से न केवल व्यक्ति का व्यक्तित्व और आत्मा निखरती है, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी सुदृढ़ होता है।

"हम अपने ग्राहकों को शुद्ध और प्रमाणित रुद्राक्ष प्रदान करने के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं। हमारे सभी रुद्राक्ष अत्याधुनिक लैब में परीक्षण और प्रमाणन के बाद ही उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे आपको गुणवत्ता और शुद्धता का पूर्ण विश्वास मिल सके।"